

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, जंगलराज, रोजगार, माओवाद पर की बात

पीएम मोदी ने सीएम नीतीश कुमार की भी तारीफ की। कहा कि नीतीश जी की सरकार ने यहां लाखों युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ सरकार में नियुक्ति भी दी है और नीतीश जी ने अभी बिहार के नौजवानों के रोजगार के लिए नए निश्चय भी लिए हैं। केंद्र सरकार कंधे से कंधा मिलाकर उनका साथ दे रही है। आगामी चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से एक बार बिहार आए। अपने एक दिवसीय दौरे पर उन्होंने मोतिहारी से बिहारवासियों को 7217 करोड़

संक्षिप्त समाचार



पश्चिम महाराष्ट्र के सांगली का इस्लामपुर अब कहा जाएगा ईश्वरपुर, फ डणावीस सरकार ने किया एलान

पश्चिम महाराष्ट्र के सांगली में इस्लामपुर का नाम बदल दिया गया है। राज्य विधानसभा में इसका एलान किया गया। एलान के मुताबिक, इस्लामपुर को अब ईश्वरपुर के नाम से जाना जाएगा।महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया गया है। यह घोषणा राज्य विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। यह कदम हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान की ओर से सांगली कलेक्टरेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठया गया। शिव प्रतिष्ठान के अध्यक्ष संभाजी भिड़े हैं, जिनके समर्थकों ने कहा है कि जब तक यह मांग पूरी नहीं हो जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे। इस्लामपुर के एक शिवसेना नेता ने कहा कि नाम बदलने की मांग 1986 से चली आ रही है।



रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने मोतिहारी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर, रोजगार, विकास, माओवाद और इंडिया गठबंधन पर बातें की। राजद और कांग्रेस राजद की याद भी दिलाई। अब पीएम मोदी के इस बयान की चर्चा खूब हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि साथियों यह नया भारत है। भारत दुश्मनों को सजा देने के लिए जमीन आसमान एक कर देता है। बिहार की इसी धरती से मैंने ऑपरेशन सिंदूर की घोषणा की थी। इसके बाद पूरी दुनिया ने भारत का सामर्थ्य देखा। पूरी दुनिया में भारत का चर्चा हो रहा है। अब बिहार को दुनिया भर के मार्केट से जोड़ेंगे। किसानों की आय दोगुणा करना हमारा लक्ष्य है। पीएम ने कहा कि साथियों न हम नारों तक अटकते हैं और न हम वादों तक सिमटते हैं। हम पिछड़ों और अति पिछड़ों

के लिए अतिरिक्त काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चंपारण, औरंगाबाद, गया जी, जमुई जैसे जिलों को वर्षों तक पीछे रखने वाला माओवाद आज अंतिम सांसे गिन रहा है। जिन इलाकों पर माओवाद का काला साया था, आज वहां के नौजवान बड़े सपने देख रहे हैं। हमारा संकल्प है कि हम भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करके रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए का विजन है, जब बिहार आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा और बिहार तब आगे बढ़ेगा जब यहां का युवा आगे बढ़ेगा। हमारा संकल्प है कि समृद्ध बिहार, हर युवा को रोजगार! बिहार के नौजवानों को बिहार में ही रोजगार के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलें, इसके लिए बीते वर्षों में यहां तेजी से काम हुआ है।राजद- कांग्रेस राज में गरीब को पक्का घर मिलना असंभव था इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय

जनता दल और कांग्रेस के राज में गरीब को पक्का घर मिलना असंभव था। जंगलराज में लोग अपने घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवाते थे, डरते थे कि अगर रंग-रोगन हो गया तो पता नहीं कि मकान मालिक को ही उठवा लिया जाए। पीएम मोदी ने आंकड़ा गिनाते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत देश में गरीबों के लिए 4 करोड़ से भी ज्यादा घर बनाए गए हैं। इनमें से करीब 60 लाख घर अकेले बिहार में बने हैं। हमारे अकेले मोतिहारी जिले में ही तीन लाख के करीब गरीब परिवारों को पक्के घर मिलें हैं और गिनती लगातार बढ़ रही है।आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है, क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और राजद की सरकार थी, तो यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपये के आसपास मिले। यानी नीतीश जी की सरकार से ये

लोग बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया। पिछले 10 साल में, एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कई गुना ज्यादा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। आप लोगों ने इस धरती को राजद और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है। आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि बिहार दो दशक पहले किस तरह हताशा में डूबा हुआ था। राजद और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था। जो शासन में थे, उनमें बस यही सोच थी कि कैसे गरीब के हक का पैसा लूट लें। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद गरीबों, दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के नाम पर राजनीति करते आए हैं। लेकिन यह लोग अपने परिवार से बाहर किसी को सम्मान नहीं देते। आज इनका हाल पूरा बिहार देख रहा है। हमें बिहार को इनलोगों से दूर रखना है। यह लोग कभी बिहार का विकास कर रही नहीं सकते हैं। इसलिए हमें मिलकर बिहार के विकास को और गति देनी है। हमें संकल्प लेना है कि नया बिहार बनाएंगे, फिर एक बार एनडीए सरकार।

सीएम योगी बोले: दो साल पहले भगवा गमछा पहन कर की आगजनी, मुंह से निकल गया ‘या अल्लाह’, करें कार्रवाई



विरासत को अपमानित करती है। कांवड़ियों को उपद्रवी कहना और अपमानित करना गलत है। कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से %या अल्लाह% निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।सीएम ने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने जनजाति समुदाय को भारत से अलग करने और भड़काने का प्रयास किया है। भारत के खिलाफ संघर्ष करने के लिए हर स्तर पर षडयंत्र किए। ये वही समुदाय है जो भारत की आस्था का सदैव अपमान करते हैं। सोशल

मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। इन सबसे अगर सावधान रह करके अपने आपको और अपने समाज को सुरक्षित कर सकें तो राष्ट्रीय एकता को संबल प्रदान करने की भूमिका में हमारी से संस्थाएं बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं।सीएम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जो विरासत है वो हमें राष्ट्रीय एकता की उन्हीं चुनौतियों से जूझने के लिए राष्ट्रीय एकता प्रदान कर रहा है। उस प्रेरणा से हम कुछ सबक सीख सकें। उन्होंने ब्रिटिशर्स और जमींदारी के शोषण के खिलाफ आंदोलन किया था। अगर हम इससे कुछ सीख सकेंगे तो आपकी चुनौती कम होगी। सीएम ने कहा- ये लातों के भूत बातों से नहीं मानते सीएम ने कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती ताजिया निकलते वक्त

कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर ट्वीट किया, मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से इस सरकार की ओर से परेशान किया जा रहा है। यह नवीनतम आरोप- पत्र उसी उत्पीड़न का एक और हिस्सा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को परेशान करने का आरोप लगाया। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में रॉबर्ट के खिलाफ आरोप- पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल ने सरकार पर निशाना साधा है।राहुल ने कहा कि अंत में सच्चाई की जीत होगी। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और उनका परिवार किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करेगा। उन्होंने %एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से यह सरकार परेशान कर रही है। यह हालिया

केंद्रीय कानून मंत्री अजुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना पूरी तरह से सांसदों का मामला है और सरकार इसमें कहीं भी शामिल नहीं है। मेघवाल ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति ने अपनी रिपोर्ट



आरोप-पत्र उसी प्रताड़ना अभियान का एक और हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि उन्हें दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित एक और हमला झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे सभी किसी भी तरह की मुसीबत का सामना करने के लिए पर्याप्त बहादुर हैं। वे हिम्मत और गरिमा के साथ ऐसा करते रहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, अंततः सच्चाई की जीत होगी।% ईडी ने क्या- क्या कार्रवाई की?– इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को एक आपराधिक मामले में 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ

अभियोजन शिकायत दर्ज की। संघीय जांच एजेंसी ने राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात में स्थित 43 अचल संपत्तियों को भी जब्त किया, जिनकी कीमत 37.64 करोड़ रुपये है। ये संपत्तियां रॉबर्ट वाड्रा और स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड जैसी उनकी संबंधित संस्थाओं से संबंधित हैं।,रॉबर्ट वाड्रा के कार्यालय ने क्या कहा? चार्जशीट के बाद रॉबर्ट वाड्रा के कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान जारी किया। उसमें कहा गया कि वर्तमान कार्यवाही उनके खिलाफ मौजूदा सरकार की ओर से की जा रही राजनीतिक कार्रवाई का ही एक विस्तार है।

कानून मंत्री मेघवाल बोले- जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने का प्रस्ताव सांसद लाएंगे, सरकार का इससे कोई संबंध नहीं



पहले ही सौंप दी है।मंत्रि ने कहा कि अगर न्यायमूर्ति वर्मा रिपोर्ट से सहमत नहीं हैं और सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते जो उनका

विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि संसद को सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के न्यायाधीश को हटाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि किसी न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित करने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में 50 सदस्यों का समर्थन आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव को झटका:निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से किया इनकार



जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की उनकी मांग खारिज कर दी है। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राजद सुप्रीमो लालू यादव को करारा झटका दिया है। अदालत ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही में पेशी से छूट देते हुए लालू यादव को थोड़ी राहत जरूर दी है।न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट से सीबीआई की प्रार्थमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध किया।

बता दें कि आरजेडी सुप्रीमो बीते दिन ही राहत की मांग लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। इससे पहले लालू यादव की इस मांग को दिल्ली हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को नोटिस जारी किया था और सुनवाई 12 अगस्त के लिए स्थगित कर दी थी। अपनी याचिका में लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई की एफआईआर और 2022, 2023 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान आदेशों को रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा है कि रिपोर्ट 14 साल की देरी से 2022 में दर्ज की गई। जबकि सीबीआई ने प्रारंभिक पूछताछ और जांच सक्षम अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद बंद कर दी गई थी।

संपादकीय Editorial

Why read 'dark history'?

The student of the 21st century is forced to study the history of the 13th-17th century because that is his syllabus. The National Council of Educational Research and Training (NCERT) has published a similar book of 'Social Science' for the student of class 8 in the new syllabus. At the beginning of the book, a section titled 'Notes on some dark periods of history' has been given. Sensitive and brutal incidents of violence have been compiled in it. Through a special note, students have been urged to understand the historical origin of ruthless violence, abusive misrule or wrong ambitions of power impartially. It has also been urged not to see the events of that period in today's scenario. How can this hypocrisy be acceptable? You are expecting impartiality from the students, while the historians themselves have been bigoted. If those incidents are not to be evaluated in the present, then why are those 'dark history' being taught? Can they influence the 21st century generation? An 8th grade student is a very raw, innocent and pure mind. His prejudices will be formed according to the kind of history he will be taught. It is natural for him to develop feelings of hatred and rejection towards the ruthless, violent and murderous invaders. The leftists are calling such history and thinking 'communal'. Our worried and basic question is whether it is appropriate and relevant to teach 500-700 years old history to the Indian students of the 21st century? It is also being called a 'dark age' and then the 'black history' of killing, destruction of temples and monasteries, razing of Gurudwaras to the ground, violent behavior and massacre of an entire population is also being taught! Can such talents be born in India from this blind paradox, who have ambitions of going to the moon and space? Can capable engineers, scientists, doctors, economists be made? A hateful group can certainly be created, which can only keep the country divided. The Mughal era is centuries old now. We have not been able to free ourselves from the cruel history of Babur, Akbar, Aurangzeb till date! If it was a 'dark era', then why can't it be pushed back into darkness? NCERT's book 'Exploring Society: India and Beyond' published this week introduces students to the Delhi Sultanate, Mughals, Marathas and colonial era of the past centuries. In the book, Mughal emperors like Babur, Akbar, Aurangzeb have been termed as ruthless, cruel, anti-Sanatan and those who wanted to make India an Islamic country. It is our intellectual, mental and political bankruptcy that 500 years have passed since the end of the Mughal Empire, India is an independent, sovereign and democratic country since 1947, but our slavery, our attraction, our political compulsion towards these Mughal emperors has not ended. When the Modi government came to power in 2014, some information was leaked that the Sangh and the BJP want to rewrite history. Of course, NCERT has also been working according to the thinking of the central government, so such historians and writers have been selected who can work according to the government agenda. Can write books. The Modi government has been in power for 11 continuous years, so why could the dark history of the Mughal era not be marginalized? BJP cannot get votes by teaching the cruel history of Babar, Akbar and Aurangzeb. If history has to be rewritten, then the syllabus should have included stories of those heroes, freedom fighters, revolutionaries and freedom fighters who struggled and sacrificed their lives to transform a slave, colonial country into 'Independent India'.

Mental independence is also necessary, the knowledge system will have to be revived

The Indian knowledge tradition emphasizes on the essential balance of body, mind and environment. It can become a means for the progress of our civilization provided we work with courage and wisdom. This tradition belongs to everyone and is for everyone. To revive it, we will have to be democratically inclusive. Initiatives are now being taken to mold Indian education into the Indian knowledge tradition. Some questions are arising in the mind of the common man regarding this. Like what does it mean to be Indian? In what sense is the knowledge tradition that is going on in independent India not Indian or less Indian? What is the nature of the Indian knowledge tradition? In what way is it different from other knowledge traditions? What is the specialty of this Indian knowledge tradition that we should turn towards it? It is necessary to consider these to be powerful in today's knowledge era. After all, it is a question of the attitude, behavior of the entire society and the cultural existence of the country. From the point of view of education, it becomes a serious fact that today we are becoming critically insensitive and crippled in terms of creativity. Today everyone is worried about the pomposity in politics and the growing lack of human values. Concerns are growing in many areas of social life. For example, the expected reforms in the judicial system have not been brought about till date. The systems related to civic life are not in order. In such a situation, many people have their eyes on education and great hopes are raised from its improvement. After the introduction of the new education policy, the syllabus of various subjects is being molded in the Indian knowledge tradition and curiosity about it has also increased among the common people, but this undertaking has not yet been able to move beyond this superficial presence of Indianness in education and get a serious and systematic form. If there is a desire to get freedom from the imposition of expensive and partly directionless and imported knowledge of the West and if there is a desire to free the knowledge, skills and identity of our country from the hostage situation, then we will have to bring changes in education. Mental Swaraj is necessary to make the country self-reliant and for this our knowledge system will have to be revived, because mental slavery has been hurting the country in many ways, which many people are not even aware of. For this, there is no other way except the judicious association of Indian vision in education. Establishing Indian education in Indian vision will be in the interest of both India and the world. The hollowness of the western model of expansion of knowledge, science and technology is being exposed day by day. The continuous violence, increasing difficulties of climate change, intensifying cut-throat competition, severe pollution of the environment and the increasing dominance of the market over humanity are raising questions on the thinking of the western leaders of knowledge. All this development is leading to the destruction of humanity. Instead, the Indian knowledge tradition wishes for the freedom of man from sufferings, but it is a matter of regret that the same vague image of this knowledge tradition still remains in the minds of many, which was once created by the British and which has been assimilated to a great extent by the Indians during the nearly two centuries long colonial period. The truth is that the Indian knowledge tradition is both knowledge-science and philosophy of life. The Indian knowledge tradition is not something buried in time. It is alive and has been developing too. In the Western knowledge tradition, which favors individualistic, abstract, quantitative and isolated disciplines, all subjects have developed independently. In contrast, the Indian knowledge tradition is integrated and interactive. There is mutual dependence and complementarity in this paradigm. Nyaya, Mimansa, Ayurveda and Yoga etc. use flexible methods of knowledge, well-thought-out logic and experience and there is also movement between them. In this tradition, man does not have the monopoly of exploiting nature, because man is established in the environment and the universe, and is not its center. Knowledge being located in the social context and being based on ethical values ??takes the Indian knowledge tradition to the perfection of the vision of modern science. It is sad that even after the provision of Education Policy-2020, under colonial influence, Western knowledge is being considered universal, while Indian knowledge is being marginalized by considering it local. Do not forget that Indian knowledge traditions are not ancient but exist in many forms in public life in a lively manner. Materials on environmental protection, ethical behaviour, medicinal methods and socio-cultural knowledge are scattered among the common people, tribes and villages. They are getting destroyed due to lack of necessary documentation, conservation and training. From this point of view, oral traditions will also have to be included in education. Indian knowledge tradition emphasizes on the necessary balance between body, mind and environment. It can become a means for the progress of our civilization, provided we work with courage and wisdom. This tradition belongs to everyone and is for everyone. To revive it, it will have to be democratically inclusive. In fact, such a renaissance was awaited for a long time, which could liberate us from colonization. It should be seen as an intellectual opportunity.

The plane crash demands a judicial investigation, we have to raise our voice

The cockpit and the screens of both the pilots must have lit up with all the verbal and visual warnings related to a dangerous situation, but sadly not much attention is being paid to this point. During this time, the pilots must have talked, which is also mentioned in the report. They must have tried to solve each warning one by one. The initial report of the Aircraft Accident Investigation Board (AAIB), which came a month after the crash of Air India flight number AI-171, seems more like an exercise to serve the interests of big American companies than to bring out the truth. Looking at this 15-page report, it seems that what was the point of releasing such a useless report? India is the third largest aviation market and the fourth largest economy in the world. With government policy encouragement, 250 new airports are going to be built in a few years, while 2,000 new aircraft will also be added. In such a situation, the investigation of a major plane accident needs to be carried forward very carefully, on which the eyes of the world are fixed. Many objections have been raised regarding this initial investigation report. One objection is related to the formation of the investigation committee itself. Leave alone any licensed pilot or engineer of 787 Dreamliner, even a normal pilot was not included in this committee. Questions also arise on how the report of the most important plane accident investigation agency of the Government of India got leaked in advance? The report was released on July 12, but before that on July 9, two aviation journalists wrote an article based on sources that the investigators are focusing the scope of investigation around the fuel control switch that this switch was pressed by the pilots knowingly or unknowingly. They had presented a complete description of the circumstances. Two days after this, The Wall Street Journal (WSJ) also published a similar report about the fuel control switch. This newspaper also claimed that there were differences between the Indian AAIB and the US NTSB over the direction of the investigation and the US agency also threatened to withdraw from the investigation. Finally, on July 12, after midnight, the AAIB released the report, which disappointed the country that wanted answers in this case. The biggest discrepancy in the report is that the complete details of the CVR-Cockpit Voice Recorder of the plane that crashed in just 34 seconds have not been published in it. This would have made it easier to understand what would have happened. Even the time of some important events has not been mentioned, such as when the pilots allegedly talked to each other or when the rat-ram air turbine started etc. Presenting the report in a suspicious and mysterious manner also raises questions. On July 17, the Wall Street Journal again blamed the chief pilot of the plane in this case. On the basis of leaked information, it wrote that the chief pilot had pulled the switch and the first officer reacted to it in a panic. Earlier this allegation was being made in a low voice, but the newspaper gave it more force. The newspaper gave a more bleak picture of what allegedly happened in the cockpit. According to the Wall Street Journal, NTSB chief Jennifer Homendy was instructed to listen to the entire recording herself. She claimed that American officials also believe that an agency like the FBI should also be active in this matter to find out what if such incidents happened on American soil? It is even more surprising for us in India that we are getting more information from leaks in the American media than the AAIB report. This shows the suspicious nature of the report as well as the negligence or whitewashing attitude in preparing it. On the day the report was released, it was felt that NTSB and AAIB are revealing much less than what they know. They seem to be trying to reveal information in installments. The absence of details related to the CVR is also a big failure of the initial report. It is also possible that all this is being done by AAIB to divert attention, because many technical aspects are still complicated in this case. Whatever it may be, after this initial investigation report, Boeing's shares reached a year's high. This rise increased further after the WSG leak. This shows that someone has benefited from the initial report. The allegations of the Wall Street Journal still do not seem to have anything to do with the truth. In such a situation, only the release of the entire CVR transcript can have some effective effect. Only this can tell what happened inside the cockpit? Boeing Dreamliner is a high-level electronic aircraft equipped with many warning systems, some of which also increase the complexities due to their excess. All these are detailed in the CVR and DFDR i.e. Digital Flight Data Recorder. The cockpit and the screens of both the pilots must have lit up with all the verbal and visual warnings related to a dangerous stop, but unfortunately not much attention is being paid to this point. During this time, the pilots must have had a conversation, which is also mentioned in the report. They must have looked at each warning and tried to diagnose them one by one, which resulted in both engines failing and restarting them. Its second-by-second details must have been recorded, which should have been made part of the CVR transcript. Since the investigation in this case does not seem to be moving in the right direction, So we have to raise our voice. I request all passengers, pilots and aviation organizations to file a PIL regarding this or appeal to the Prime Minister to ensure a judicial inquiry by a serving judge of the High Court. This should also include pilots and experts of 787.

बैग...टिफन-पानी की बोतलें: खून से लथपथ बच्चे, पास पड़ा बच्ची का शव; हादसे के बाद सामने आई हृदय विदारक तस्वीरें

अमरोहा में सड़क हादसा हुआ है। स्कूल वैन और पिकअप की टक्कर हुई है। हादसे में शिक्षिका और एक छात्रा की मौत हो गई। जबकि हादसे में 13 बच्चे समेत दो स्टाफ के लोग घायल हो गए। घायलों



को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। सड़क किनारे टूटी पानी की बोतलें... लुड़की पड़ी हैं। पास ही छिटके एक छोटे बैग से टिफन बाहर गिर चुका है... उसका ढक्कन खुला हुआ है। उसमें रखी रोटी-सब्जी बिखरी पड़ी थी। कुछ मीटर दूर स्कूल की वर्दी में लथपथ बच्चा जमीन पर लेटा है। उसके सिर से खून बह रहा है, पर वो बार-बार बोल रहा है मैं कहां हूँ? सुबह-सुबह हंसते-खिलखिलाते बच्चों से भरी स्कूल वैन अब बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यूपी के अमरोहा जिले में हसनपुर गजरौला मार्ग पर शुक्रवार की सुबह स्कूली वैन की पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में स्कूली वैन में सवार हसनपुर के मोहल्ला कायस्थान निवासी अनाया(6) पुत्री सत्यप्रकाश सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शिक्षिका निशा(30) की उपचार के दौरान अमरोहा में मौत हो गई। हादसे में 13 बच्चे समेत दो स्टाफ के लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। जिसमें से चार बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीओ दीप कुमार पंत और एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है।मनौटा पुल के पास हुए इस हादसे ने दो परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। एक मासूम बच्ची अनाया की जान चली गई और शिक्षिका निशा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। वहां की तस्वीर देख अन्य लोगों की भी आंखें नम हो गई।सड़क पर बच्चों के टिफन, बैग और पानी की बोतलें बिखर गए थे। किसी के टिफन से सब्जी बिखर गई तो किसी की पानी की बोतल लुड़कती हुई पुल के किनारे पहुंच गई। कुछ बच्चे सहमे हुए जमीन पर बैठे थे, तो कुछ खून से लथपथ साथियों को देखकर फफक-फफककर रोने लगे। मनौटा पुल के पास यह हृदय विदारक दृश्य था।तेज रफ्तार पिकअप ने मारी वैन को जोरदार टक्कर हादसा सुबह करीब 7:20 बजे हुआ। इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल सहसोली की स्कूली वैन हसनपुर से रोजाना की तरह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। मनौटा पुल के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और बच्चों की चीखें गूंज उठीं। हादसे में हसनपुर के मोहल्ला कायस्थान निवासी छह वर्षीय छात्रा अनाया सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, शिक्षिका निशा (30) ने अमरोहा जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वैन में सवार 13 बच्चे और दो स्टाफ सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से चार बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों में छात्र अभिनव, अभिकांत, अराध्यका, अरहम, अराहन, आरोही, काव्यांस, काव्या समेत 13 मासूम शामिल हैं। घायल बच्चों को पहुंचाया अस्पताल वहीं, वैन चालक विशेष, शिक्षिका रुबी और निशा भी गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे के बाद राहगीरों और ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। बच्चों को खून से सने बैग और फटे कपड़ों के साथ अस्पताल पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद पांच बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां से दो की हालत को देखते हुए हायर सेंटर भेजने की तैयारी की जा रही है। शिक्षिका निशा की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में मौजूद परिजन अपने जखमी बच्चों से लिपटकर रोने लगे। सीओ दीप कुमार पंत और एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी है। सीओ ने बताया कि कानूनी कार्रवाई की जा रही है और घायलों का समुचित इलाज कराया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलने पर डीएम और एसपी भी जिला अस्पताल पहुंचे।

दो युवतियों की झील में डूबकर मौत, बचाने में किशोर की भी गई जान; परिजनों में मचा कोहराम

युवती और किशोर गांव के अन्य युवकों और युवतियों के साथ मजदूरी पर खेत में धान की रोपाई करने गए थे। गर्मी लगने पर तीनों झील में नहाने चले गए और डूबने लगे। अन्य युवक और युवतियों ने शोर मचाया तो आस पड़ोस के खेतों में काम कर रहे चुकी थी।थानाक्षेत्र के महमूदपुर माफी गांव के पास की झील में डूबकर मौत हो गई। युवती और किशोर करने गए थे गर्मी लगने पर तीनों झील में नहाने चले गए खेतों में काम कर रहे लोग आ आए और तीनों को बाहर को रो-रोकर बुरा हाल है। मैनाटेर थाना क्षेत्र के गुरेर बृहस्पतिवार को ठेकेदार अख्तर और निजाम के साथ थीं। दोपहर करीब तीन बजे सानिया और आशिया और के बाहर ही झील में नहाने चली गई थीं। इस दौरान डूब गया।



लोग आ आए और तीनों को बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो बृहस्पतिवार की दोपहर शहजान (17), सानिया (18) और आशिया (19) गांव के अन्य युवकों और युवतियों के साथ मजदूरी पर खेत में धान की रोपाई और डूबने लगे। अन्य युवक और युवतियों ने शोर मचाया तो आस पड़ोस के निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। तीनों की मौत से परिजनों निवासी सानिया (18) और आशिया (19), प्रियांशी, खुशबू, अंशु, सामिया मजदूरी पर महमूदपुर माफी निवासी शमीम के खेत में धान की रोपाई करने गई महमूदपुर माफी निवासी शहजान (17) समेत अन्य युवक और युवतियां खेत साजिया और आशिया गहराई में जाने से डूब गई। उन्हें बचाने में शहजान भी

बदनाम हुए तो हुआ और नाम... महक और परी की आईडी से कोई नया वीडियो शेयर नहीं, फिर भी बढ़ गए एक लाख फॉलोवर्स

संभल पुलिस की कार्रवाई के बाद महक और परी की आईडी पर लगातार फॉलोवर्स की संख्या बढ़ती जा रही है। असमोली पुलिस महक परी आईडी वाली बहनों के अन्य चार साथियों की भी तलाश कर रही है। कार्रवाई के बाद गांव नहीं पहुंची दोनों बहन, ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई की सराहना की है।संभल के असमोली थाना क्षेत्र के गांव शहबाजपुर कलां की रहने वाली महक और परी की आईडी पर फॉलोवर्स की लाइन लंबी हो गई है। कार्रवाई होने के बाद करीब एक लाख फॉलोवर्स बढ़े हैं। वहीं, 19 लोगों को अनफॉलो किया है। हालांकि अभी तक कोई नई वीडियो शेयर नहीं की है लेकिन पुरानी वीडियो पर व्यू मिलियन में पहुंच गए हैं। वहीं, दूसरी ओर असमोली थाना पुलिस इन बहनों के साथ काम करने वाले चार युवकों की तलाश कर रही है। यह युवक भागे हुए हैं। बुधवार को गांव मुबारकपुर बंद निवासी युवक के घर पुलिस



पहुंची थी। युवक मिला नहीं है। अन्य तीन युवक जिले से बाहर के रहने वाले हैं।मेहरूल निशा उर्फ परी और उसकी बहन महक ने मई 2024 में इंस्ट्रग्राम पर आईडी बनाई थी। पहले इस आईडी का नाम कुछ और दिया गया था। बाद में दो बार इस नाम को बदला गया। अब महकपरी143 नाम से आईडी की पहचान है।अश्लील और अर्यादित कंटेंट डाला इस आईडी की चर्चा सोशल मीडिया पर तब हुई जब कंटेंट

को अश्लील और अर्यादित किया गया। इसके बाद तो फॉलोवर्स बढ़ते चले गए। कार्रवाई होने तक 4.40 लाख फॉलोवर्स थे।कार्रवाई के बाद फॉलोवर्स की संख्या 5.20 पहुंची कार्रवाई के बाद फॉलोवर्स की संख्या 5.20 पहुंच गई है। हालांकि अभी महकपरी आईडी से कोई वीडियो सामने नहीं आया है। यह दोनों बहनें भी गांव में नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस कार्रवाई के बाद अब

दोनों बहनें अश्लील कंटेंट नहीं बनाएंगी।ऐसा वादा भी पुलिस से किया है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सोशल मीडिया पर इनकम करनी है तो अच्छा कंटेंट भी बना सकती हैं। जिससे समाज को जागरूकता मिले और महिला सम्मान बना रहे।महक और परी के साथ काम करने वाले युवकों की जानकारी मिली है। उनकी तलाश भी की जा रही है लेकिन वह मिले नहीं है। यह युवक भी अश्लील कंटेंट का वर्क बनाने का काम करते हैं। साथ ही परचून की दुकान

मलिक, प्रभारी, असमोली थाना।कमा रहीं 20 से 25 हजार रुपये संभल के गांव शहबाजपुर कलां निवासी मेहरूल निशा उर्फ परी और उसकी बहन महक ने पुलिस को पृछताछ में बताया कि वह वीडियो से 20 से 25 हजार रुपये कमा लेती हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय होने से पहले चांदी का वर्क तैयार करने का काम करती थीं। पिता अभी भी परचून की दुकान चलाते हैं। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि कंटेंट अमर्यादित होता तो गांव का नाम रोशन होता लेकिन अब गांव का नाम खराब हुआ है। लोगों ने कहा कि ऐसे ही युवती अमरोहा के थाना डिडौली अंतर्गत जोया निवासी हिना है जिसने अपने परिजनों का नाम खराब किया है।ग्रामीणों ने बताया कि मेहरूल निशा उर्फ परी और महक अपने दो भाइयों से बड़ी हैं। परिवार में मां और पिता हैं जो काफी समय से चांदी का वर्क बनाने का काम करते हैं। साथ ही परचून की दुकान

भी चलाते हैं।दरअसल दोनों बहनों ने मिलकर मई 2024 में इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाया था। पहले नाम कुछ और दिया गया था। इसके बाद फिर दो बार नाम बदला गया। बाद में महकपरी143 नाम आईडी को दिया गया। शुरुआत में कम फॉलोवर्स थे लेकिन जब कंटेंट को अश्लील और अमर्यादित किया तो फॉलोवर्स बढ़ते चले गए।अशोभनीय कमेंट करते हैं लोग, समाज को लज्जित करने की कहते हैं। बात पुलिस ने तीनों युवतियों और युवक से चार मोबाइल को बरामद किए हैं। इन मोबाइल की छानबीन करने के दौरान वीडियो पर आए कंट पर हजारों लोगों ने अशोभनीय कमेंट किए थे।इसमें ज्यादातर लोगों ने कंटेंट बेहद खराब होने की बात लिखी थी। महिलाओं के अपमानित करने का भी हवाला दिया था। पुलिस को छानबीन के दौरान काफी वीडियो मिले सभी का कंटेंट अश्लील या आपत्तिजनक ही मिला।

संक्षिप्त समाचार

पांच हजार की रिश्तत लेते लेखपाल गिरफ्तार आरक्षण प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने को कुंदरकी के ग्रामीण से मांगे थे रुपये

कुंदरकी- सामान्य आरक्षण प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के एवज में नगर निवासी व्यक्ति से 5 हजार रुपये की रिश्तत मांगना लेखपाल को भारी पड़ गया। पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। गुरुवार को एंटी करप्शन टीम ने छापा मारकर 5 हजार रुपये की रिश्तत लेते हुए लेखपाल दिनेश चौधरी को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी को थाना कुंदरकी लाकर आगे की कार्रवाई की। लेखपाल वर्तमान में बिलारी तहसील में कार्यरत था और नगर कुंदरकी का हल्का उसी के पास था। कुंदरकी नगर के मोहल्ला सादात निवासी मेहरबान हुसैन ने बेटी के लिए एक माह पहले सामान्य आरक्षण प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि लेखपाल दिनेश चौधरी ने रिपोर्ट लगाने के बदले पांच हजार रुपये मांगे थे। पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद टीम सक्रिय हुई। गुरुवार को तय समय पर दोपहर 3 बजे ग्राम जैतपुर पट्टी स्थित शौकत अली के मकान के पास रिश्तत लेते हुए आरोपी को टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि कुंदरकी थाने पर आरोपी लेखपाल के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

तालाब में डूबकर दो युवतियों व किशोर की मौत

मजदूरी पर खेत में धान लगाने गई थी युवतियां मैनाटेर- मुरादाबाद जिले के थाना मैनाटेर इलाके के एक गांव में बृहस्पतिवार को मजदूरी पर धान की रोपाई करने गई दो युवतियों की तालाब में नहाते समय डूबकर मौत हो गई। युवतियों को बचाने में एक किशोर की भी जान चली गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मैनाटेर इलाके के गुरेर गांव निवासी सानिया (18) पुत्री अकबर, आशिया (19) पुत्री सलीम, प्रियांशी, खुशबू पुत्री कल्लू, अंशू पुत्री चंद्रपाल, सामिया पुत्री अकबर बृहस्पतिवार को ठेकेदार अख्तर और निजाम के साथ मजदूरी पर महमदपुर माफी गांव में धान की रोपाई करने गई थीं। खेत के पास में बड़ा तालाब है। धान लगाने के बाद सानिया और आशिया तालाब में नहाने चलीं गईं। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में डूबने लगीं। मदद के लिए शोर मचाने पर वहीं मौजूद सहजान (17) पुत्र सलाम निवासी महमूदपुर तालाब में कूद गया। उसने युवतियों को बचाने की कोशिश की। इस दौरान वह भी डूब गया। ग्रामीणों ने काफी प्रयास के बाद तीनों लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीनों की मौतें हो चुकी थी। एसडीएम बिलारी विनय कुमार, सीओ अशोक कुमार, तहसीलदार, इंस्पेक्टर किरनपाल सिंह ने मौका मुआयना कर पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी है। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन मृतकों के परिवारों की हर संभव मदद करेगा।

पहले अश्लील चैटिंग में हुआ निलंबित, अब चरस की तस्करी में जेल गया लेखपाल बर्खास्त, और भी कई आरोप लगे

एसडीएम ने चरस की तस्करी के मामले में जेल में बंद निलंबित लेखपाल ललित गौतम को बर्खास्त कर दिया गया है। इससे पहले उसे महिला से अश्लील चैट के आरोप में निलंबित किया गया था। कुंदरकी में लेखपाल दिनेश चौधरी को रिश्तत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने की घटना के बाद तहसील प्रशासन सक्रिय हो गया। बृहस्पतिवार शाम एसडीएम ने चरस की तस्करी में जेल भेजे गए निलंबित लेखपाल ललित गौतम को बर्खास्त कर दिया। लेखपाल ललित गौतम बिलारी तहसील में तैनाती के समय से चर्चाओं में रहा। तहसील के एक गांव की महिला शिकायतकर्ता से व्हाट्सएप पर अश्लील चैट करने के आरोप में एसडीएम ने लेखपाल ललित गौतम को निलंबित कर दिया था। उसे आरोपपत्र जारी करने के बाद जांच चल रही थी। दस दिन पहले लेखपाल ललित गौतम को चरस की तस्करी के आरोप में सहसपुर निवासी साथी और चंदौसी निवासी महिला के साथ बिलारी पुलिस ने पकड़ा था। अदालत ने ललित गौतम और उसके दोनों साथियों को जेल भेज दिया था। तभी से वह जेल में है। बृहस्पतिवार शाम एसडीएम विनय कुमार सिंह ने बताया कि लगातार आरोपों में घिरे रहने और जांच अधिकारी तहसीलदार की जांच रिपोर्ट आने के बाद निलंबित लेखपाल ललित गौतम को बर्खास्त कर दिया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला अधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड में रैंकिंग सुधारने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा
बरेली, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विकास विभाग की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड में रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मई माह में हमारे जनपद की रैंकिंग अच्छी थी लेकिन इस बार रैंकिंग काफी नीचे चली गयी है। यह लापरवाही का द्योतक है, समस्त सम्बंधित अधिकारी अपनी रैंकिंग में सुधार करें। बैठक में पीओ नेडा ने अवगत कराया कि विगत मई माह में उनकी कार्य प्रगति 71 प्रतिशत रही जबकि जून माह में 72 प्रतिशत रहा है। जिलाधिकारी ने पूछा कि 18 तारीख में आपके कार्य की प्रगति क्या है, जिस पर अवगत कराया गया कि इस माह बी श्रेणी आयेगी, जिस पर निर्देश दिए गए कि वेंडरों की संख्या बढ़ाते हुए रैंकिंग में सुधार लाया जाए। जिलाधिकारी ने

स्मार्ट मीटरों की खामियों व मुख्य अभियंता के परिसर में मंदिर से पुजारी को हटाने पर दिया ज्ञापन

पं सत्यमशर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। नगर में घर-घर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों की खामियों और जनमानस में बढ़ती नाराजगी व मुख्य अभियंता परिसर मंदिर से पुजारी को हटाने को लेकर किसानों को पर्याप्त बिजली मिलने को लेकर मुख्य अभियंता (हैडल) को ज्ञापन सौंपा।

सपा प्रवक्ता मयंक शुक्ला मोंटी ने ज्ञापन में बताया कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां उपभोक्ता परेशान हैं। मीटर अधिक रीडिंग दिखाते हैं, जिससे बिल गलत आ रहा है। यही नहीं, मीटर खराब होने या जलने की स्थिति में उपभोक्ताओं से काई बार 9000 रुपये तक वसूले की जानकारी

जिला पंचायत की बैठक में कृषि अधिकारी की पिटाई, विकास भवन में कलमबंद हड़ताल

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत – जिला पंचायत बोर्ड बैठक के दौरान कृषि अधिकारी को थप्पड़ मारने की घटना तूल पकड़ चुकी है। मामले में सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। दूसरे दिन कर्मचारी घटना के विरोध में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलम बंद हड़ताल पर चले गए। कलेक्ट्रेट में एकत्र होकर कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। परिसर ने जुलूस निकाला और कार्यालयों को बंद कराया गया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। उनका कहना था कि आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। इस दौरान जिलाअधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह को अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया। कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट परिसर में खलबली मची रही। आपको बता दे की जिला पंचायत की बैठक में कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि नितिन पाठक और उनके ड्राइवर ने कृषि



कहा कि यदि अधिकारियों को कार्य में कोई कठिनाई आती है या किसी स्तर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलता तो उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग खराब होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उप निदेशक कृषि को रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जितने भी बिल हैं उसे अनिवार्य रूप से लगाकर भुगतान कराया जाए। बैठक में जीएमडीआईसी ने अवगत कराया कि ट्रेनिंग संस्था मुख्यालय से नामित होनी है जब तक ट्रेनिंग संस्था नामित

सामने आ रही है। भाजपा सरकार में मुख्य अभियंता परिसर मंदिर से पुजारी को हटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सपा शासन में कभी भी किसी भी मंदिर से पुजारी को नहीं हटाया गया बल्कि उनकी सुरक्षा की गई इस पर मुख्य अभियंता ने कहा की मंदिर या पुजारी को हटाने की तैयारी नहीं है अवैध रूप से जिन आवास में लोग रह रहे हैं उनको खाली कराया जा रहा है। किसानों को टयूबवेल की लाइट 10 घंटे का आदेश सरकार की तरफ से है जबकि लाइट 6 घंटे दी जा रही है वो भी लगातार नहीं दी जा रही है इसकी शिकायत पर मुख्य अभियंता ने संबंधित अधिकारियों से बात कर इस समस्या के निस्तारण करने का

जिला पंचायत की बैठक में कृषि अधिकारी की पिटाई, विकास भवन में कलमबंद हड़ताल



अधिकारी का गिरेवान पकड़कर उनके साथ हाथापाई की, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने बताया कि बैठक में खाद को लेकर बातचीत हो रही थी तभी मेरे साथ दो लोगों ने अभद्रता की। वहीं, पीलीभीत के जिला पंचायत अध्यक्ष के पति और भाजपा नेता गुरभाग सिंह का कहना है कि किसानों को खाद और यूरिया की दिक्कत हो रही है। बोर्ड बैठक में जब पंचायत सदस्यों द्वारा यह मामला उठाया गया तो कृषि अधिकारी कहने लगे %क्या खाद अधिकारी खा गए, जो करना है कर लो%। अध्यक्ष पति का कहना है कि कृषि अधिकारी की शिकायत मुख्यमंत्री से की जाएगी। वहीं, वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले कृषि अधिकारी के ऊपर बोटल फेंकी गई, उसके बाद बैठक में खड़ा

नहीं होगी तब तक किसी भी जनपद की रैंकिंग नहीं बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक कल्याण, पर्यटन, कृषि, एआरएलएम, प्रधानमंत्री आवास योजना, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन, नमामि गंगे, कैमली आईडी, लोक निर्माण विभाग आदि के अधिकारियों को रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, परियोजना निदेशक डीआरडीए चन्द प्रकाश श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा हसीब अंसारी, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आदेश दिया। सपा प्रवक्ता की प्रमुख मांगें सपा प्रवक्ता मयंक शुक्ला मोंटी ने मांग की स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर कम से कम छह महीने के लिए रोक लगाई जाए।नगरीब जनता को स्मार्ट मीटरों के बारे में पूर्ण जानकारी दी जाए। उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाए। स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं की सहमति अनिवार्य की जाए।किसानों को पूरी और सही समय से 10 घंटे बिजली सिंचाई के लिए दी जाए ज्ञापन देने वाले में मयंक शुक्ला, भुवनेश यादव, रजत मिश्रा, मुशाहिद खान, आसिफ खान, जावेद गद्दी, अकीब गद्दी आदि लोग मौजूद रहे।

जिला पंचायत की बैठक में कृषि अधिकारी की पिटाई, विकास भवन में कलमबंद हड़ताल

एक शख्स उनका गिरेवान पकड़कर उनको मारता दिखा? मालूम हो कि वायरल वीडियो में कृषि अधिकारी की पिटाई के दौरान जिला पंचायत अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य के साथ-साथ तमाम ङ्खक के नेता मौजूद थे। शुक्रवार को इस घटना के विरोध में कृषि विभाग के अधिकारियों ने हड़ताल शुरू कर दी।

पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक कॉलेज का परीक्षा परिणाम शिक्षा बोर्ड लखनऊ द्वारा घोषित

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत – पूरनपुर – पूरनपुर के खुटार रोड जाने वाले मार्ग पर स्थित पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक कॉलेज ऑफ फार्मेसी पूरनपुर का परीक्षा परिणाम तकनीकी शिक्षा बोर्ड लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा घोषित डी फार्मा 1 और डी फार्मा 2 वर्ष के परिणाम में बेहतर रहा है। इस कॉलेज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य की राह दिखाई है। पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक

पटेल चौक से नॉवल्टी चौक तक सबसे महंगी जमीन 99 हजार प्रति वर्ग मीटर रेट

16 हजार रुपये की बढ़ोत्तरी प्रस्तावित

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा
बरेली। जनपद में एक अगस्त से लागू होने वाले जमीनों के नए सर्किल रेट का प्रकाशन हो गया है। पिछले साल की तुलना में इस साल निबंधन विभाग ने राज्य सरकार की झोली भरने के लिए पांच हजार रुपये से लेकर 16 हजार रुपये तक प्रति वर्गमीटर जमीनों के रेट बढ़ाकर प्रस्तावित किए हैं। जनपद में सबसे महंगी जमीनें महानगर के सिविल लाइंस एरिया की हैं। प्रस्तावित रेट के अनुसार महंगी में नंबर एक पर शहर के अय्यूब खां चौक से नॉवल्टी



चौक तक की जमीनें हैं। यहां 99 हजार प्रति वर्ग मीटर जमीन के रेट तय किए हैं। जबकि पिछले वर्ष यहां 83 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर के रेट थे। 16 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर बढ़ोत्तरी हुई है। दूसरे नंबर पर सबसे महंगी जमीनें बासमंडी क्षेत्र में कुतुबखाना से शिवाजी मार्ग होते हुए मठ की चौकी

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को पीटा तो जहर खाकर दे दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा
बरेली। नवाबगंज थाना क्षेत्र में एक महिला को उसके पति ने रिश्तेदार के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। जिसकी शिकायत उसने अपने पिता और ससुर से की। इससे नाराज पत्नी और उसके रिश्तेदार ने युवक को बेरहमी से पीटा। उसे प्रताड़ित किया, जिससे आहत होकर युवक ने जहरीला पदार्थ खाने का फैसला कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता

की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी महिला व उसके रिश्तेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नवाबगंज कस्बे से सटे ईध जागीर गांव के मोहल्ला शक्तिनगर निवासी मोहनलाल के बेटे अजीत कुमार का विवाह जनपद पीलीभीत बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गजाड़ा गांव की संध्या के साथ हुआ था। अजीत अपनी पत्नी के साथ नोएडा में रहता था। उसके पिता का आरोप है कि कुछ समय पूर्व उनकी पुत्रवधू की क्योलड्रिया थाना क्षेत्र के बबूरी गांव एक युवक से संबंध हो गए। अजीत ने पत्नी और उसके प्रेमी को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। जिसकी शिकायत अजीत ने अपने ससुर से की थी। इससे गुस्साई संध्या और उसके प्रेमी ने अजीत से मारपीट कर प्रताड़ित किया। जिससे परेशान होकर उसने 15 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसका बरेली के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। जहां बृहस्पतिवार रात उसकी मौत हो गई। इसके बाद मृतक के पिता ने उसकी पत्नी और रिश्तेदार के खिलाफ थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शुरू होने से पहले ही बाईपास के ओवरब्रिज में आई दरारें

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत –भ्रष्टाचार वह दीमक है कि जिस जगह लग गया वहां हर दवा नाकाम हो जाती है। इसी कथन को पीलीभीत में ह।ङ्कृष्ट के होनहारों व जिम्मेदारों ने मुहर भी लगाई है। यहां उद्घाटन से पहले ही एक बाईपास क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में इंजीनियरों की कार्यप्रणाली के साथ ही साथ सरकार के रवैए पर भी सवाल उठ रहे हैं। पीलीभीत को उत्तराखंड का गेटवे कहा जाता है। ऐसे में बड़ी संख्या में वाहन लखनऊ व पूरनपुर की ओर से टनकपुर को जाते हैं। जिसके चलते लगभग पूरे दिन ही शहर में जाम की स्थिति बनी रहती है। शहर को जाम से निजात दिलाने को लेकर वर्ष 2016 में



टनकपुर बाईपास को स्वीकृति दी गई थी। यह बाईपास पूरनपुर रोड पर आसाम चौराहे से 5 किलोमीटर पहले से शुरू हो कर टनकपुर रोड पर नकटादाना चौराहे से 5 किलोमीटर आगे खत्म होता है। स्वीकृति के दौरान बायपास निर्माण को लेकर वर्ष 2020 की डेडलाइन तय की गई थी। लंबे समय

तक रेलवे व पीलीभीत टाइगर रिजर्व की एनओसी के चलते बाईपास अधर में लटका रहा। इधर हाल ही में बाईपास पर दो रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होने के बाद बाईपास के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद जागी थी। लेकिन इससे पहले बाईपास को सुचारू रूप से शुरू किया जाता, उससे पहले इसके चौड़ीकरण व अन्य कार्यों को लेकर कार्ययोजना तैयार की जाने लगी। बीते दिनों सामाजिक कार्यकर्ता शिवम कश्यप ने बाईपास को जनहित में सुचारू कराने को लेकर पत्राचार किया गया। जिसपर संज्ञान लेते हुए बाईपास के एक छोर के आड़े आने वाले पेड़ों का कटान शुरू कर दिया गया था। अब बाईपास का उद्घाटन कर इसे शुरू किया जाता है, उससे पहले ही यह बाईपास जगह जगह से क्षतिग्रस्त होने लगा है। हाल ही में हुई बरसात के चलते सड़क कई जगह से धंस गई है, वहीं इस बाईपास पर बने ओवरब्रिज पर भी दरार देखने को मिल रही है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या ट्रैफिक शुरू होने पर यह सड़क उसका भार झेल पाएगी या फिर नहीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए – 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मंदिर से राधाकृष्ण मूर्ति हुई चोरी, सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर की तस्वीर

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा
बरेली – कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बड़ी बमनपुरी में एक पुराने मंदिर से राधाकृष्ण की मूर्ति चोरी कर ली गई। मूर्ति अष्टधातु की है, जो बेशकीमती बताई जा रही है। मूर्ति चोरी करके ले जाते चोर की



तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। बड़ी बमनपुरी निवासी राजीव रस्तोगी की सूचना पर बिहारीपुर चौकी प्रभारी शिवम शुक्रवार दोपहर बड़ी बमनपुरी पहुंचे। वहां राजीव ने अपने पड़ोस के एक घर व बाहरी हिस्से में बने मंदिर को दिखाया। पुलिस को बताया कि इस घर के मालिक विदेश में रहते हैं। मंदिर सार्वजनिक था और इसकी मूर्ति मंदिर में राधाकृष्ण की एक प्रतिमा थी, जो अष्टधातु की और कीमती बताई जा रही है। पास के घर में निर्माण के चलते बरसात में मंदिर का भी कुछ हिस्सा गिर गया था। बृहस्पतिवार रात तीन बजे करीब रिक्षे पर कूड़ा बीनने वाले शख्स ने इस मूर्ति को चोरी कर लिया। मूर्ति को रिक्षे पर रखते व ले जाते हुए युवक का फुटेज सीसीटीवी कैमरे में आ गया है। एसआई शिवम कुमार ने बताया कि मंदिर के पास की फुटेज में चोर का चेहरा स्पष्ट नहीं है, आगे की फुटेज देखकर पहचान कर रहे हैं। आरोपी को पकड़कर मूर्ति बरामद कर ली जाएगी।

ऑनलाइन कमाई का झांसा ठगों ने लगाया 13 लाख का चूना

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा
बरेली – बरेली। होटल को रेटिंग देने और निवेश पर मोटे मुनाफे का सपना दिखा कर नटवरलाल ने एक युवक को 13 लाख रुपये का चूना लगा दिया। इतना ही नहीं ठगों ने युवक की पत्नी के खातों से भी रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीबीगंज थाना क्षेत्र के स्लीपर रोड निवासी अभिषेक रायजादा ने बताया कि 16 फरवरी को उनको अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें मैसेज करने वाले ने खुद को अवन्ति सेना और अपनी कंपनी का नाम ब्रांडमार्क बताया। आरोप है कि टेलीग्राम पर एक लिंक भेजकर होटल रेटिंग का काम ऑफर किया। इसके बदले 40 से 80 रुपये प्रति टास्क देने को कहा। अगले दिन अभिषेक को एक लिंक पर रजिस्ट्रेशन करवाया गया और बताया गया कि टास्क पूरा करने पर मोटा मुनाफा होगा। शुरू में कम निवेश पर लाभ दिखाया गया और फिर लगातार बड़ी रकम जमा कराने को कहा गया। बीच में टास्क अधूरा छोड़ने पर रुपये डूबने की चेतावनी भी दी गई। आरोप है कि ठगी का दायरा बढ़ता गया। अभिषेक ने 17 फरवरी से 27 फरवरी के बीच अपने बैंक खाते से अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई से कुल 7 लाख 70 हजार 878 रुपये ट्रांसफर किए। इसके अलावा उसकी पत्नी भावना के बैंक खाते से 4 लाख 45 हजार 500 रुपये और दूसरे खाते से 71 हजार रुपये ट्रांसफर करवाए गए। कुल मिलाकर करीब 12 लाख 87 हजार 378 रुपये आरोपियों को दिए गए।

सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर दिया जिला अधिकारी को ज्ञापन

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत – संघ के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष धर्मपाल सिंह जिला महामंत्री अजय बाबू जिला संप्रेशक माजिद अली जिला संगठन मंत्री दिनेश भारती जिला अध्यक्ष दिनानाथ , हाशिम नाज, तस्लीम मियां,ने जिलाधिकारी महोदय को लिखा पत्र जिसमें संघ द्वारा बार-बार अनुरोध किया जा रहा है कि संघ के पूर्व मांग पत्र से पत्रांक-08 दिनांक 15.12.2023 एवं पत्रांक-29 दिनांक 18.09.2024 पत्रांक-59 दिनांक 16.01.25, पत्रांक-66 दिनांक 17.02.2025, पत्रांक-70 दिनांक 06.03.2025, पत्रांक-71 दिनांक 18.03.2025. पत्रांक-88 दिनांक 12.06.2025, पत्रांक-98 दिनांक 28.06.20225 संलग्न का सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें। जिसमें समस्त कर्मचारियों की वर्षा से पड़ों लम्बित समस्याओं के निराकरण हेतु संघ द्वारा समय-समय पर कई बार मौखिक व लिखित मांगपत्र के माध्यम से जिला पंचायत राज अधिकारी महोदय पीलीभीत से व अन्य अधिकारियों से निवेदन किया गया जिसके फलस्वरूप सिर्फ आश्वासन ही दिया गया है लेकिन आज तक किसी भी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है

सांसद इकरा हसन से अभद्रता सपा का ऐलान एडीएम पर एक्शन नहीं तो सड़क से लेकर सदन तक हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली उत्तर प्रदेश शामली के समाजवादी पार्टी के यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने कैराना से सपा सांसद इकरा हसन के साथ एडीएम संतोष बहादुर द्वारा कथित तौर पर किए गए अभद्रता के मामले में कार्यवाही में होने से नाराजगी व्यक्त की है यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं में चेतावनी दी है कि अगर एडीएम पर विभागीय कार्यवाही नहीं की गई तो वह सड़क से लेकर सदन तक हंगामा करेंगे इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और सरकार की होगी इसको लेकर शुक्रवार को समाजवादी योजना सभा के कार्यकर्ता शामली कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां पर उन्होंने अपर जिला अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम विज्ञापन सोपा इसमें उन्होंने सहारनपुर के आत्म संतोष बहादुर पर कार्यवाही की मांग की है इस दौरान कार्यकर्ता आन ने कहा कि इससे पहले भी मैं बाँडी के कार्यकर्ताओं द्वारा मामले में

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपर जिला अधिकारी को सीएम योगी के नाम ज्ञापन दिया

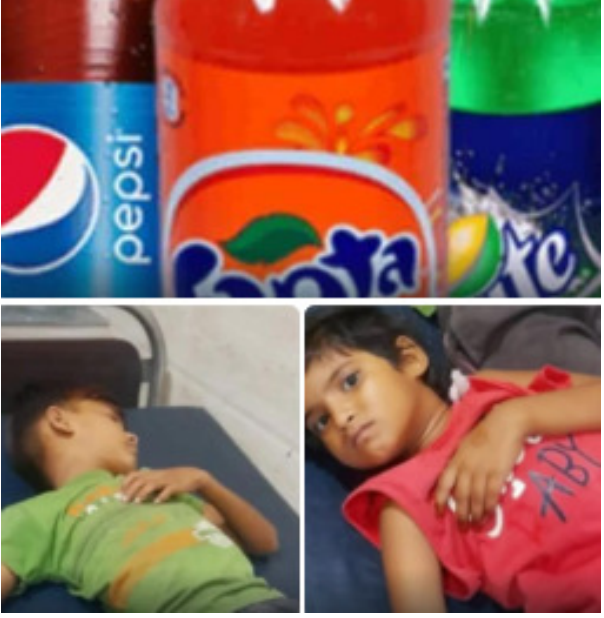


कार्यवाही की थी लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई आप उन्होंने मांग की है कि अगर मामले में कार्यवाही नहीं होती है तो वह सड़क से लेकर सदन तक जमकर हंगामा करेंगे और इसका उत्तरदाई और कोई नहीं प्रशासनिक अधिकारी होंगे या सरकार होगी समाजवादी पार्टी के नेता शेर सिंह राणा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जिस प्रकार से सरकार का तानाशाही रवैया आम जनता के साथ है उसी प्रकार से नौकरशाही का रवैया

भी जनता के साथ नहीं है इसके परिणाम की आवश्यकता नहीं है संसद के साथ जिस प्रकार का व्यवहार सहारनपुर के एडीएम ने किया इसे साफ जाहिर होता है कि प्रदेश के अंदर किस प्रकार से अफसर शाहीचल रही है इसको लेकर जन्म प्रतिनिधि और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त किया है मामले में कार्यवाही नहीं हुई तो सड़क से लेकर सदन तक हंगामा होगा इसका उत्तरदाई और कोई नहीं प्रशासनिक अधिकारी और सरकार होगी

कोल्डड्रिंक पीने से चार बच्चों की बिगड़ी तबीयत, एक मासूम की मौत

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत – पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र के निसरा गांव में कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद एक ही परिवार के चार बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से परजनों में कोहराम मच गया है। वहीं ग्रामीणों में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना गुरुवार देर रात की है। निसरा गांव निवासी गुड्डू और जुम्मा के परिवार के बच्चे गांव की एक दुकान से कोल्ड ड्रिंक खरीदकर लाए थे। उन्होंने यह कोल्ड ड्रिंक घर लाकर आपस में बांटी और पी ली। कोल्ड ड्रिंक पीने के कुछ ही देर बाद जोया (8 वर्ष), हसन (9 वर्ष) पुत्र जुम्मा, अलशिफा (5 वर्ष) पुत्री इकरार और हसन (8वर्ष) पुत्र गुड्डू की हालत बिगड़ने लगी। सभी को पेट दर्द और उल्टियों की शिकायत हुई, जिससे परिजन घबरा गए। तबीयत बिगड़ने के परिजन



बच्चों को गंभीर हालत में आनन-फानन में शहर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान आठ वर्षीय बच्ची जोया की मौत हो गई। बाकी तीन बच्चों का इलाज अभी भी चल रहा है। बच्ची की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम का माहौल छा गया। बाकी तीन बच्चों को अभी भी डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने कोल्ड ड्रिंक के बचे हुए सैंपल को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। हालांकि परिजनों ने किसी के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया है और न ही कोई लिखित शिकायत पुलिस को दी है। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है, इसलिए फिलहाल मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजनान्तर्गत 02 दुधारू गौवंश की इकाई हेतु

अरविंद कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत – मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद को निदेशक प्रशासन एवं विकास पशुपालन विभाग, उ०प्र० लखनऊ पत्र दिनांक 10 जुलाई 2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजनान्तर्गत 02 दुधारू गौवंश की इकाई हेतु जनपद 14 महिला एवं 14 पुरुषों का लक्ष्य आवंटित किया गया है तथा अपर मुख्य सचिव उ०प्र० के शासनादेश सं. दिनांक 25 अगस्त 2023 दिशा निर्देश जारी करते

हुए, दुग्ध आयुक्त/मिशन निदेशक, नन्द बाबा दुग्ध मिशन उ०प्र० लखनऊ के पत्र दिनांक 08 जुलाई 2025 के द्वारा वर्ष 2025-26 हेतु नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत जनपद को 02 का लक्ष्य तथा मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजनान्तर्गत जनपद को 08 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है उक्त योजना में गाय का ऋय प्रदेश के बाहर से किया जायेगा। ऋय की जाने वाली गाय प्रथम या द्वितीय ब्यात की होनी चाहिए तथा गौवंश डेढ़ माह से पूर्व ब्यात न हो। पूर्व से संचालित कामधेनु, मिनी कामधेनु, माइक्रो कामधेनु

योजना अथवा नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत संचालित नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना अथवा मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के लाभार्थी इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र नहीं होंगे। नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत 25 स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायों की इकाई स्थापित करने के लिए अधिकतम 31.25 लाख/ 30.50 लाख रुपये तीन चरणों में अनुदान दिया जायेगा। जिसमें लाभार्थी अंश योजना की कुल लागत रू. 62,50,000 का 15 प्रतिशत, बैंक ऋण 35 प्रतिशत तथा इकाई लागत का अधिकतम

आदर्श नल जल योजना के तहत जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी- जल जीवन मिशन जल जीवन मिशन के अंतर्गत शिवपुरी जिले के लोक स्वास्थ्य यंत्र की विभाग के सहयोग तथा यूनिसेफ और जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान के द्वारा आदर्श नल जल योजना बनाए जाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है जिसके तहत जिले की 4 नल जल योजनाओं को चयनित किया गया है। इसी क्रम में गतदिवस होटल मातोश्री में एक दिवसीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में वॉश ऑफिसर नरेंद्र सिंह यूनिसेफ मध्यप्रदेश तथा कार्यपालन यंत्री शुभम अग्रवाल, जिला समन्वयक बाइस राम धाकड़, जिला जल जांच प्रयोगशाला की अधिकारी रंजना शर्मा, जिला फैसिलिटेटर धर्मेन्द्र सोनी उपस्थित रहे। उक्त प्रशिक्षण 4 ग्रामों कोटा, हातोद, गंगौर, भड़ा बावड़ी के सरपंच, सचिव, नल जल मित्र एवं व्हीडब्ल्यूएससी के सदस्य, स्वयं सहायता समूह के सदस्य प्रतिभागियों ने लिया। राज्य स्तरीय सलाहकार यूनिसेफ भोपाल के प्रशिक्षक रविंद्र पारे ने जल गुणवत्ता एवं समुदाय संचालित आदर्श नल जल योजना के लिए समर्थकरी

दामिनी: सपनों को आकार देती एक जमीनी कलाकार, जुनून,जज्बा और जादू दामिनी की पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अभिनय, डांस और मॉडलिंग की दुनिया में चमकता सितारा। बिलासपुर ,छत्तीसगढ़ । बिलासपुर की उभरती हुई प्रतिभा दामिनी देवांगन इन दिनों अभिनय, डांस और मॉडलिंग की दुनिया में अपनी छवि बना रही हैं। एक साधारण परिवार से आने वाली दामिनी ने अपनी मेहनत और जुनून से वह मुकाम हासिल किया है, जिसकी ख्वाहिश हर युवा कलाकार करता है। हाल ही में हुई एक विशेष बातचीत में उन्होंने अपने सफर, संघर्ष और सपनों के बारे में खुलकर बात की। दामिनी बताती हैं, मैंने शुरुआत डांस से की थी। बचपन से ही स्टेज पर परफॉर्म करने का शौक था। स्कूल के हर फंक्शन में हिस्सा लेती थी। वहीं से आत्मविश्वास बढ़ा। फिर धीरे-धीरे अभिनय और मॉडलिंग की ओर रुझान हुआ। उनका मानना है कि

♦ समुदाय और पंचायत मिलकर बनाएंगे अपने ग्रामों की आदर्श नल जल योजना- नरेंद्र सिंह



माहौल बनाना और पंचायत की जिम्मेदारी संवेदनशीलता तथा नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण दिया। जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान वाल्मी भोपाल से पथारे विवेक भट्ट नोडल ऑफिसर वाल्मी ने प्रशिक्षण में सामुदायिक भागीदारी विषय के अंतर्गत जल स्रोत का शुद्धिकरण और सुरक्षा नल से शुद्ध जल की महत्व को बताया। सुश्री मोनिका मेम यूनिसेफ भोपाल ने महिला स्वसहायता समूह के माध्यम से कैसे महिलाओं को सशक्त करते हुए ग्राम स्तरीय नल जल योजनाओं में उनकी भागीदारी की जा सकती है, इस पर प्रस्तुतीकरण दिया। जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान के सहायक श्री अग्निहोत्री ने कहा कि हमें

कार्यशीलता के लिए ग्राम पंचायत में संचालित नल जल योजना के बोरेवेल्स, वेल्स और ओवरहेड टैंस का समुदाय द्वारा समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए, पंपू बिजली के पैतलों, ट्रांसफॉर्मर और विद्युत आपूर्ति डिसइन्फेक्शन डोजिंग उपकरण की भी समय-समय पर जांच करना चाहिए। कार्यपालन यंत्री शुभम अग्रवाल ने कहा कि नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए पंचायत को ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के सदस्यों का सहयोग करना चाहिए, जिससे जलकर संग्रहण में आसानी हो और परियोजना का विधिवत रूप से संचालन हो सके जिससे जल जीवन मिशन के उद्देश्य को सार्थक किया जा सके।



किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। दामिनी कहती हैं, मुझे कैमरे के सामने आना अच्छा लगता है। जब भी किसी किरदार में ढलती हूं, तो खुद को भूल जाती हूं। डांस मेरे लिए एक एक्सप्रेशन है, और मॉडलिंग आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम। उन्होंने देश में कई फैशन शोज़ में भाग लिया है और सफलता की ऊंचाइयों को भी स्पर्श किया है। गोवा में आयोजित नेशनल ब्यूटी टैलेंट शो में दामिनी देवांगन को मिस इंडिया यूनिवर्स 2025 का खिताब जीतने का गौरव प्राप्त हुआ। इसमें देशभर करेंगी।

की प्रतिभाओं ने भाग लिया था। दामिनी युवाओं को संदेश देती हैं, खुद पर भरोसा रखें और अपनी कला को रोज़ निखारें। आलोचनाओं से घबराएं नहीं, बल्कि उनसे सीखें। अगर दिल से मेहनत करेंगे तो एक दिन मंच जरूर मिलेगा। दामिनी का सपना है कि वह बड़े पर्दे पर अपनी पहचान बनाएं और एक ऐसी कलाकार बनें, जो समाज के लिए प्रेरणा बनें। उनके जज्बे और समर्पण को देखकर यह कहने में कोई संकोच नहीं कि दामिनी आने वाले समय की एक चमकदार स्टार हैं। छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कमी नहीं सीएम साय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दामिनी देवांगन को सम्मानित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। दामिनी प्रतिभाशाली कलाकार हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है। वे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

शामली 850 वर्ष प्राचीन सिद्ध पीठ गुलजारी वाले शिवालय में आठवें दिन भी भक्तों का जन सैलाब उमड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

शामली 850 वर्ष पुराना सिद्ध पीठ गुलजारी वाले शिवालय पर सावन पर्व पर आठवें दिन भी बाबा भोलेनाथ जल अभिषेक करने के लिए आज भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही आपको बता दें कि शामली का गुलजारी वाला शिव शिवालय यह 850 वर्ष पुराना मंदिर है भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में आने से बाबा का जल अभिषेक करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है बाबा भोलेनाथ का जल अभिषेक करने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आकर बाबा का जल अभिषेक करते हैं



एसडीएम ज्योति सिंह को पत्र देकर कार्यवाही की गुहार लगाई

राजेंद्र विश्वकर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच(जालौन) आज एसडीएम ज्योति सिंह को प्रार्थना पत्र देते हुये गांव के प्रधान बुद्धसिंह के नेतृत्व में राम नरेश राम मोहन उत्तम सिंह उदय सिंह रणजीत अतर सिंह वीर सिंह गजेंद्र सिंह अमर सिंह शैलेंद्र कुमार भगवान दास छोटेलाल आदि गांव वालों ने एसडीएम को अवगत कराया है कि बरसात में जल निकासी न होने के कारण आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कुछ समय से ग्राम क्योलारी में में बदउबा लिंक मार्ग पर पुलिया के माध्यम से पानी का निकास उचित स्थान पर नहीं हो पा रहा है चूंकि पुलिया के माध्यम से जो पानी ग्राम निवासी मदन के खेत के किनारे गूल के माध्यम से होकर नहीं मिलता था कुछ अराजक तत्वों ने इस गूल को खोद दिया है और अपने खेत में मिला लिया है पानी न निकलने से पानी का जल भराव अब हम लोगों के मकानों में जा रहा है जिससे हम लोगों के बच्चे स्कूल जाने में बाधा हो रही है साथ ही उनके जानवर को भी बांधने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जल भराव की समस्या के कारण दिनचर्या में परेशानी हो रही है उन्होंने एसडीएम ज्योति सिंह से कार्यवाही की गुहार लगाई है

राजश्री कालेज में बी० टेक का परीक्षाफल रहा शत-प्रतिशत, छात्र –छात्राओं ने जताई खुशी

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिटौरा राजश्री इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी बरेली में संचालित बीटेक , पॉलिटेक्निक के अंतिम वर्षों का परीक्षाफल घोषित किया गया। जिसमें बीटेक का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता बी० टेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से 83 प्रतिशत अंक प्राप्तकर्ता प्रखर सक्सेना सहित आजम हुसैन, मनजीत सिंह, नीरज कुमार,कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से 82.9प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान पर रहे दुष्यंत सहित अनुष्का वशिष्ठ, कुशाग्र गंगवार, विलास अंसारी, आई० टी० ब्रांच से 81 प्रतिशत अंक प्राप्तकर्ता प्रखर राज सिंह सहित निशु बिंद, प्रियंका, पॉलिटेक्निक संस्थान की इलेक्ट्रिकलब्रांच से 75.5प्रतिशत अंक प्राप्त कर आदित्य बुन्देला मैकेनिकल ब्रांच से मंथन रस्तोगी सहित समस्त उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई दी। इस सफलता का श्रेय अधिकारीगणों के कुशल प्रबंधन मार्ग दर्शन एवं शिक्षकगणों के निरन्तर अथक परिश्रम को दिया। संस्थान के डीन एकेडमिक प्रो० साकेत अग्रवाल ने बताया कि सफलता अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंगके छात्र एच०सी०एल० टैकनोलॉजी, टी०सी०एस०, कॉरपोरेट इनफोटेक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र वेबटेक लोकोमोटिव, नोकिया, बी०एल०एग्रो इंडस्ट्रीज , पॉलिटेक्निक के छात्र बजाज मोटर्स, एम०आर०एफ० टायर्स, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा जैसी प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट प्राप्त कर चुके हैं। सफलता के इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो० अनिल कुमार, निदेशक प्रो० पंकज शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, प्राचार्य डा० सी०पी० गंगवार, विभागाध्यक्ष डा० रूचिन जैन, अनामिका सिंह ने मिष्ठान वितरण कर खुशी जाहिर की।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

संकुल स्तरीय शाला प्रवेश
उत्सव शासकीय हाई
स्कूल महुली में हुआ संपन्न

यह सिर्फ एक भाषा का मामला नहीं है - जनकल्याण समिति



रहे डर और भाषिक आतंक पर नियंत्रण किया जाए। 4. पुलिस को निर्देशित किया जाए कि भाषा के आधार पर कोई भी भेदभाव न हो। 5. महाराष्ट्र सरकार एक सार्वजनिक संदेश जारी करे कि राज्य सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से सम्मान करता है। हमने महामहिम राष्ट्रपति महोदय को एक औपचारिक पत्र भेजा है जिसमें इन घटनाओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया गया है। यह पत्र सिर्फ शिकायत नहीं है – यह भारत की भाषाई विविधता और सामाजिक समरसता को बनाए रखने की एक पुकार है। हम किसी एक भाषा के विरोध में नहीं हैं – हम हर भाषा, हर संस्कृति, हर नागरिक के अधिकारों के सम्मान के पक्ष में हैं।

को लेकर चर्चा करते हुये साथ ही पत्रकार साथियों के ऊपर फर्जी लगाये गये

मुकदमों को लेकर हमारे वरिष्ठ पत्रकार इंद्रजीत बनर्जी मण्डल सचिव जी ने ज्ञापन देने का नेतृत्व निभाया, कुलदीप सिंह सूचना प्रभारी ने टीम को सूचना अवगत करवाते हुये, मण्डल अध्यक्ष सोमराज स्वर्णकार जी ने गंगोत्री नगर संघ कार्यालय में मामले को लेकर तत्काल मीटिंग का आयोजन किया वहीं मंडल महासचिव अभिनव मिश्रा के

कावड़ सेवा शिविर में कैराना एसडीएम निधि भारद्वाज ने की भव्य आरती



करता हुआ शिवधनुं में झूम रहा था। हर ओर भक्ति, समर्पण और विश्वास का दिव्य दृश्य देखने को मिला। उपजिलाधिकारी निधि भारद्वाज की आरती ने बढ़ाया उत्साह उपजिलाधिकारी निधि भारद्वाज जब आरती स्थल पर पहुंचीं तो श्रद्धालुओं ने तालियों का गड़गड़ाहट और नारों से उनका स्वागत किया। उन्होंने भक्तों के बीच पहुंचकर यह संदेश दिया कि प्रशासन केवल व्यवस्था नहीं करता, वह सेवा और सहयोग का संवेदनशील चेहरा भी है। उनकी विनम्रता और भक्ति से ओतप्रोत व्यक्तित्व को देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। चिकित्सा शिविर में डॉ. सपन गर्ग ने की नेत्र जांच। शिवभक्तों ने कहा - ऐसा सेवा भाव कम ही देखने को मिलता है वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. सपन गर्ग द्वारा लगाए गए निशुल्क नेत्र शिविर में अनेक शिवभक्तों की आंखों की जांच की गई और दवाइयां भी वितरित की गईं। सेवा का यह स्वरूप देखकर अनेक शिवभक्तों ने डॉक्टर साहब को हाथ जोड़कर धन्यवाद ज्ञापित किया। सुरक्षा का पक्का इंतजाम चौकी प्रभारी विनोद राघव हर मोर्चे पर सतर्क शिविर स्थल पर तैनात चौकी प्रभारी किला गेट विनोद राघव की टीम ने शिवभक्तों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी। हर मोड़, हर गली और हर पंक्ति में पुलिस की उपस्थिति ने श्रद्धालुओं को विश्वास से भर दिया। कांवड़ सेवा शिविर बना श्रद्धालु और सेवा का प्रेरणास्त्रोत यह शिविर केवल एक धार्मिक पड़ाव नहीं, बल्कि शिवभक्ति, मानवता और जनसेवा की जीवंत मिसाल बन गया है। शिवभक्तों ने जहां भोलेनाथ की आराधना की, वहीं प्रशासन, चिकित्सा और सुरक्षा तंत्र ने उनके तप को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भक्ति में शक्ति है, और सेवा में सिद्धि यही संदेश देता है कैराना का यह कांवड़ सेवा शिविर।

श्री शिव कावड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित 13
वाँ विशाल कावड़ सेवा शिविर का आयोजन



का यह कहना है कि हरिद्वार से गंगाजल भरकर आए इसी भक्तों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था की गई है

शिव भक्त कावड़ियों के लिए अलग-अलग प्रकार का भजन ठहरने के लिए एक विशाल पंडाल और मेडिसिन के लिए एक मेडिकल

कैंप लगाया गया है इस पंडाल में शिव भक्तों के लिए कूलर, पंखे आदि की भी व्यवस्था की गई है यह शिविर 13 तारीख से 23 तारीख तक शिव भक्तों के लिए लगाया गया है यह दिन रात शिव भक्तों की सेवा के लिए यह कावड़ सेवा शिविर लगाया गया है



नरनाय सिंह सरपंच महुली शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बैकुंठ प्रसाद जायसवाल, स्कुल अध्यक्ष कोल्हुआ राम नरेश साहु प्राथमिक शाला कछवारी शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष गोपालदास साय उप सरपंच महुली पहलवान खैरवार वन समिति अध्यक्ष बबन सिंह वरिष्ठ नागरिक राम कुमार जायसवाल, बुजेंद्र साहु, ठाकुर दयाल यादव, भैयालाल माझी राज कुमारी जायसवाल, साथ ही संकुल प्राचार्य रामशरण प्रजापति, संकुल समन्वयक संजय कुमार जायसवाल शिक्षकगण पवन कुमार जायसवाल, ओमप्रकाश साहु, वीरेंद्र सिंह, भागीरथी सिंह ओमप्रकाश सिदार रेशम लाल राठिया योगेंद्र सिंह अखिलेश पटेल नताशा सिंह आशा प्रजापति लोली कुंवर रोहिणी सिदार साहु मैडम व अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राथमिक वनोपज सहकारी बिहारपुर
एवं बसनारा में किया गया चरण
पादुका वितरण का शुभारंभ



बिहारपुर एवं बसनारा के ग्राम महुली में आयोजन किया गया । चरणपादुका वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बबन सिंह अध्यक्ष , रनसाय सिंह सरपंच महुली, मदनलाल जायसवाल मंडल कोषाध्यक्ष बिहारपुर , रामस्वंबर बैस, आनंद सिंह, विजेंद्र साहु, चैन मति भरतलाल जायसवाल समिति सदस्य, पोषक अधिकारी/प्रबंधक रीता जायसवाल फड्मुंशीगण, तेन्दूपता संग्राहक हितग्राही, वन कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में चरणपादुका वितरण का शुभारंभ किया गया । आज वन समिति बसनारा में महिलाओं को चरणपादुका वितरण कर सम्मानित किया गया । ऊक्त कार्यक्रम में भा जा पा मंडल बिहारपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष अवधकुमार पाठक, उपसरपंच प्रेमलाल विश्वकर्मा, विजय यादव रामबिलास तिवारी रामकाया बैस्य सरोज यादव अखिलेश वैश्य एवम बहुत गणमान्य उपस्थित रहे ।।

03 परिवारों में सुलह कराते हुए
परिवारों को टूटने से बचाया



Ghostly laughter and devilish eyes, is Labubu Doll really scary? Know the story of its fame

Labubu Doll, which is going viral on social media, is becoming very famous among the people these days. Hong Kong artist Kasing Lung designed it in 2015. The look of this doll (Viral Labubu Doll) is a bit scary but some has increased after showing it in the Labubu doll is seen all over the world. this doll is also not common. Every day These days a different kind of doll is big eyes and a strange innocent face - than children. People are buying it not are arising in people's minds that where look is also quite scary. Some people are it as a toy. The most special thing is that are so crazy about it that people are - Kasing Lung had designed it. Let us Monster Series. It was made by Hong fairy tales very much. Inspired by this, know that after 10 years its demand scary- However, the laughter of this doll devilish laughter. But some people find teeth are creating questions in story. Labubu is a fictional character, story of its popularity started from like an animal or cartoon. This is the internet. The story of Labubu's popularity started from China. When a well-known company there started selling it in a 'blind box'. Why is it becoming popular in India? - Recently some Indian social media influencers and YouTubers have shown Labubu Doll in their videos. Since then, its demand has increased in India as well. People are buying it for decoration or as a gift. These dolls are available on select online platforms. You will be surprised to know that a 131 cm tall Labubu doll was auctioned in Beijing for 1.08 million Yuan i.e. around Rs 1.2 crore. Is this doll really a devil? - Its smaller versions are also being sold for lakhs. Now more than half of the actors are also using the doll as a keychain on their bags. However, many such videos are going viral on social media in which parents are being advised to keep children away from this doll. Because many people are claiming it to be devilish. However, we do not confirm this.



people find it very cute. In India too, its demand videos of social media influencers. The trend of More and more people are buying it. The price of something or the other goes viral on social media. going viral, its name is Labubu Doll. Small teeth, this doll is becoming more popular among adults just as a toy but as a collection item. But questions did this doll (labubu doll story) come from? Its calling it a ghost doll, while some are considering its price is also skyrocketing these days and people desperate to buy it. So let's know about it in detail tell you that this doll was designed under The Kong artist Kasing Lung in the year 2015. He loved he designed this doll. But, at that time he did not would increase so much. The doll's laughter is is so scary that people are considering it as a this doll cute. Its big eyes, devilish laughter, pointed everyone's mind. This doll has its own look and which looks a bit strange but is equally cute. The China- Its body is like a human, but the face looks reason why this doll is becoming so viral on the

Have ants started invading your house as soon as it rains? Then try these 5 remedies tried by your grandmothers.

The problem of ants increases in the houses during the rainy season, due to which there is a fear of food items getting spoiled. It becomes difficult to get them out of the house, due to which one starts getting a headache. In such a situation, can show these black-red ants the way out of the make life difficult during the rainy season. - Due to situation, you can drive them away with some spices types of problems also come along with the pleasant of insects and spiders also increases in the houses (Chitiyo Ko Kaise Bhagaye), which often becomes ke tarike), rice, flour and food items often get spoiled this season. In such a situation, it is important that days should be adopted. Today in this article, we kitchen, with the help of which you can get rid of cuisine is an unmatched combination of taste and healthy. Along with this, you can also use it to drive properties, ants run away from it. You just sprinkle cracks or under the gas cylinder. Ants will avoid juice- Lemons rich in vitamin-C are very beneficial your food, but do you know that this small lemon is reduces the ability of ants to recognize the smell, due each other. You can use it on doors, windows, kitchen Cinnamon, famous for its unique smell and taste, is also helpful in repelling ants. Ground cinnamon or cinnamon oil can drive away ants and also make your kitchen fragrant. You can also boil cinnamon and use this water as a natural spray. Cloves and clove oil- You can also use cloves to drive away ants during the rainy season. Cloves have a strong smell, which confuses the ants. You can keep whole cloves near the sugar jar, behind utensils or in the corners of the pantry. You can prepare an effective spray to use in the kitchen by mixing a few drops of clove oil in water. White vinegar- You can also use white vinegar to show the way out to the ants that have entered the house during monsoon. Vinegar is a strong natural acid, which hides the smell of ants, due to which ants are not able to chase each other. For this, mix vinegar and water in equal quantities and spray it on countertops, floors, near trash cans and on ant paths.



with the help of some spices present in the kitchen, you house (Chitiyo Ko Bhagane Ke Desi Nuskhe). Ants often this, everyday work becomes very difficult. In such a kept in the kitchen. During the rainy season, many weather. Along with health related problems, the terror these days. In monsoon, ants often intrude in homes a cause of trouble. Due to these ants (chitiyan bhagane and it becomes difficult to protect them from ants in ways to avoid this intrusion in the house during rainy will tell you about some such things present in your ants (chitiyo ke gharelu upay). Turmeric used in Indian health, which makes your food delicious and health away ants. Due to its strong smell and anti-bacterial a thin layer of turmeric powder on the window frames, crossing it and will not come into the house. Lemon for your health. Also, its sour taste doubles the taste of the biggest enemy of ants. The acid present in its juice to which they are not able to enter the house through platforms or wherever you see ants. Cinnamon-

Apply these Mehndi Designs on your hands on the second Monday of Sawan, your beloved will not be able to take his eyes off you

The month of Sawan is a symbol of greenery and devotion, especially Monday is special for Shiva devotees. Women keep fast on this day and pray to Lord Shiva and Mother Parvati for happiness and prosperity. To make this mehndi. The holy month of Sawan has this occasion, women apply mehndi. As atmosphere of greenery, devotion and special for Shiva devotees. Women keep Parvati for happiness, prosperity and beautiful, women do makeup, this also a means of adornment, but it is also a it is Monday, the color of mehndi is the mehndi applied on Sawan Monday, the This year, the second Monday of Sawan beauty. If you also want to apply some adopt a beautiful combination of today is also on this topic. We are going to only make your hands beautiful, but will memorable. Here are some special mehndi this type of mehndi on your hands in Sawan. This will also increase the beauty of your hands. Actually, after marriage, heavy mehndi also looks great on the hands of newlywed brides. If you want, you can also write the name of your beloved on your hands. If the color of the mehndi comes out brightly, then understand that your husband or your partner loves you a lot. The tradition of swinging in the month of Saavan has been going on for centuries. In such a situation, you can apply this design made of swing on your hands. This will give a unique design of mehndi on your hands. This type of mehndi is also liked a lot in Saavan. You should also apply it. These Arabic designs of mehndi will further enhance the beauty of your hands. Your husband will also like it a lot. This type of mehndi is also applied a lot in Saavan. This makes the hands look full. Which also looks very beautiful. If you want to impress your partner, then you should definitely try this design on your hands. This will give a good surprise to your partner. Along with this, your relationship will also be strengthened.



special day even more beautiful, women apply started. This month is dedicated to Lord Shiva. On soon as the month of Sawan arrives, there is an enthusiasm all around. Especially Monday is very fast on this day and pray to Lord Shiva and Mother good fortune. To make this special day even more includes applying henna. Mehndi in Sawan is not just cultural and emotional connection. Especially when considered to be even darker. It is said that the deeper stronger is the love and relationship of the husband. is a golden opportunity to paint yourself in traditional special design of mehndi on this day, then why not traditional and trendy designs this time? Our article tell you about some such mehndi designs that will not also make this special day of Sawan even more designs If you are newly married, then you can apply



Farah Khan's cook Dilip gets his first film, will he have a role in this Bollywood actor's next movie?

Director Farah Khan's cook Dilip needs no introduction now. Celebrities have also become big fans of Dilip through Farah's vlog. A Bollywood actor has even offered Dilip a film. Let us tell you about this. Farah Khan's cook gets a film Dilip, who became famous due to Farah's video, will be given a role in the film Farah Khan remains in the limelight through her cooking vlog. Even though she is away from films, she keeps entertaining the audience through vlogs. These days she is running a cooking show on YouTube through which her cook Dilip (Farah Khan Cook Dilip) has become famous. Today Dilip's popularity is not limited to the common people, but he is also very popular among the celebs. Even many celebrities have become fans of Dilip. Now he is not just a cook but is also preparing to become an actor. A Bollywood actor is going to launch him. This actor is Sonu Sood. Sonu Sood gave Dilip a role in the film. Actually, Farah Khan went to Sonu Sood's house with her cook Dilip and got tasty food prepared there and took it herself. Sonu became very happy after meeting Dilip and his younger son looked eager to meet Dilip. In this video, Sonu expressed his wish that he wants to cast Dilip in his next film and he also took permission from Farah. Farah will become Dilip's manager Sonu Sood said to Farah Khan, "It will be fine if I give Dilip a role in the next film I am making." The choreographer said, "Yes, give it. Then you will know whether it will be fun or not." Dilip said that I will do it only when ma'am comes. Hearing this, she gets surprised and says why should I come brother. Then Dilip said that she is his manager. Farah said that now this was the only thing left brother. I should leave all my work and become his manager. Farah Khan has been away from Bollywood as a producer since the failure of Happy New Year. However, she is doing choreography. Farah choreographed Khushi Kapoor and Junaid Khan for the movie Loveyaapa. Fans are waiting for her upcoming film.

Bigg Boss fame Archana Gautam shared the horrifying experience of Labubu dolls, said- 'My friend's father..'

Labubu dolls are becoming very viral on the internet at this time. Many popular actresses were seen with it. But many people who kept it also shared some scary experiences. Former Bigg



Boss contestant Archana Gautam shared a scary story on Instagram. Many people are now in fear of it. Labubu Dolls came on the internet and created a stir as soon as they came. It is not only trending on the internet, but celebrities like Urvashi Rautela, Kareena Kapoor, Ananya Pandey, Rihaana and Sharvari Wagh also made it viral by carrying it. Labubu doll scaring many people - Labubu fever is spreading all over the world. We saw many popular celebrities when they flaunted them on many special occasions. On one hand, where many people are keeping it as a hobby. At the same time, such incidents happened with many people on the internet that they got scared. Bigg Boss 16 contestant Archana Gautam has also joined this list, who shared the unfortunate experiences of her friend after buying the doll. Archana called the doll unlucky - Archana Gautam shared a video and said that the Laboobu doll is very unlucky. It shows that it has evil and dangerous powers. She said that there is a ghost in the doll and it hurts the owner who keeps it. She further said that whoever has this doll will have to face misfortune in some way or the other in life. Strange incident happened with many people - This comment of hers has given rise to online discussion and speculation. Archana Gautam said, "One of my relatives had bought this doll. As soon as he bought this doll, strange incidents started happening in his house. His fixed marriage broke down. As soon as Laboobu was brought, his father died the very next day... everything got spoiled... life was ruined." Archana told people that please do not buy this doll because it destroys your destiny. Where did Laboobu come from - Laboobu has been created by Hong Kong-based toy artist Kasing

Lung. It has been manufactured by the Pop Mart brand. This toy was created to be a part of the imaginative 'The Monsters' series. People around the world are liking this doll for its cute aesthetic, which has a unique blend of innocence and horror.

The plane crash on June 12 refreshed the old wounds of the 'Chak De India' girl, a big accident happened with her husband 25 years ago

Many people lost their lives in the Air India plane crash accident in Ahmedabad on June 12, 2025. People may have forgotten this accident, but Chak De India girl Vidya Malvade could not forget this incident. 25 years after losing her husband, the actress wrote such a note that fans will get emotional after seeing it. Chak De India actress Vidya Malvade's wounds were fresh Husband died 25 years ago in a plane crash Husband died 25 years ago in a plane crash Vidya Malvade, who won the hearts of the audience with Netflix shows like Chak De India, Mismatch, got married even before entering the film world. Vidya, who got married in 1997, lost her first husband in a big accident. Recently, the actress remembered her ex-husband on her official Instagram and told that she can never forget him. Along with this, the actress also mentioned the plane crash that happened on June 12. Who was the ex-husband of Chak De India's Vidya, who lost his life in a plane crash and what did the actress write expressing her pain, read the full story in detail below: Vidya wrote an emotional post for her husband on Instagram. Remembering her ex-husband, Vidya Malvade wrote on her Instagram account, "It's been 25 years, I haven't looked into your eyes, touched your face, held you, bothered you with my words. I haven't laughed with you, I haven't felt safe by resting my head in your arms. Some relationships remain even after they are gone. Rest in peace my love". The actress further wrote, "Some questions cannot be answered in a lifetime. I may not be living my life in guilt, but sometimes you miss that person a lot, who used to make you feel completely different. These accidents make us understand that life is very important. Keep your loved ones close to you. Who was Vidya Malvade's first husband? Vidya remembered the time of the plane crash that took place in Ahmedabad on June 12. Writing, she wrote, "The accident on June 12 has revived those wounds. Maybe I forget things sometimes, but the memories of that accident are still fresh in my mind. I also remember how I felt at that time. At that time, I surrendered myself and have been living in gratitude since then, which has helped me a lot. By doing this, even the bitterest memory becomes sweet, he is still my guardian angel, my light". Let us tell you that the name of Vidya Malvade's first husband was Arvind Singh Bagga, with whom she got married in the year 1997, but just 3 years later, he died in a plane crash. In the year 2000, he was flying Alliance Airline 7412 in Patna, when this big accident happened. In this accident, 60 people including Arvind Singh Bagga lost their lives.

